भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
मौखिक प्रश्न संख्या : 175
गुरुवार, 30 जुलाई, 2026/8 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

ओडिशा में उड़ान हेलीकॉप्टर योजना

***175. श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देवः**
क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) वर्ष 2020-21 से 2025-26 की अवधि के दौरान ओडिशा में 'उड़ान' हेलीकॉप्टर योजना के अंतर्गत स्वीकृत हेलीकॉप्टर सेवाओं का ब्यौरा क्या है;
(ख) उड़ान हेलीकॉप्टर योजना के अंतर्गत जिलों के चयन के लिए क्या मानदंड अपनाए गए हैं;
(ग) क्या सरकार ने बलांगीर और सुवर्णपुर की प्रमुख विमानपत्तनों और स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं से दूरी को ध्यान में रखते हुए वहां पर हेलीकॉप्टर कनेक्टिविटी शुरू करने की व्यवहार्यता की जांच की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) पश्चिमी ओडिशा में हेलीकॉप्टर कनेक्टिविटी के माध्यम से आपातकालीन चिकित्सा निकासी और आपदा प्रतिक्रिया को सुदृढ़ करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर
नागर विमानन मंत्री (श्री किंजरापु राममोहन नायडू)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

*****

"ओडिशा में उड़ान हेलीकॉप्टर योजना" के संबंध में श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देव द्वारा पूछे गए दिनांक 30.07.2026 के लोक सभा मौखिक प्रश्न संख्या 175 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) से (घ): 'उड़ान' योजना के तहत प्राथमिकता वाले क्षेत्रों, नामतः जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वोत्तर राज्यों, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में क्षेत्रीय हवाई संपर्क बढ़ाने के लिए वर्ष 2017 में बोली प्रक्रिया के दूसरे चरण से हेलीकॉप्टर परिचालन शुरू किए गए थे। वर्ष 2023 में 'उड़ान' योजना की बोली प्रक्रिया के 5.1 चरण के तहत, हेलीकॉप्टर परिचालनों की अनुमति प्रदान करने के लिए पात्रता मानदंड को संशोधित किया गया था, बशर्ते कि कम से कम एक मूल या गंतव्य हेलीपोर्ट हो और स्थानों में से एक स्थान प्राथमिकता क्षेत्र में स्थित हो। किसी भी एयरलाइन ने ओडिशा में हेलीपैड को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में स्थित स्थानों से जोड़ने के लिए बोलियाँ प्रस्तुत नहीं की हैं।

दिनांक 04.07.2026 को शुरू की गई 'उड़ान' योजना के अगले चरण में ओडिशा राज्य और प्राथमिक क्षेत्रीय जिलों सहित आकांक्षी जिलों में, जहाँ कोई हेलीपोर्ट या हवाईअड्डा प्रचालनरत या विकास के अधीन नहीं है, 200 आधुनिक हेलीपैडों के विकास की परिकल्पना करके हेलीकॉप्टर कनेक्टिविटी के विस्तार पर बल दिया गया है, जो दूरस्थ एवं अल्पसेवित क्षेत्रों में यात्री कनेक्टिविटी के लिए बेहतर पहुँच की सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ आपातकालीन चिकित्सा निकासी, आपदा प्रतिक्रिया और राहत अभियानों में सहायता प्रदान करेगा।

*****